राजा बाहेश्वर ने बढ़ाया बघोली का मान

बीआरओ में चयन के बाद गांव लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

वर्षों का संघर्ष बनेगा युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत

बालाघाट। जिले के ग्राम बघोली के लिए गर्व का क्षण उस समय देखने को मिला, जब गांव के होनहार युवा राजा बाहेश्वर का बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन, बीआरओ में चयन होने के बाद प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार उनका गांव आगमन हुआ। उनके स्वागत में पूरा गांव उमड़ पड़ा। ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया तथा ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ सम्मानपूर्वक पूरे गांव का भ्रमण कराते हुए गृह प्रवेश कराया।

बेटे की सफलता को गांव का सम्मान-उल्लेखनीय रहे राजा बाहेश्वर पिता साहू बाहेश्वर एवं माता श्रीमती लता बाहेश्वर के पुत्र हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के बावजूद उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई और तैयारी जारी रखी। सीमित संसाधनों के बीच लगातार मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने बीआरओ जैसे प्रतिष्ठित संगठन में स्थान प्राप्त किया। चयन के बाद प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर जब वे अपने गांव लौटे तो पूरे गांव ने उन्हें अपने बेटे की सफलता के रूप में सम्मानित किया।

छलके खुशी के आंसू-इस अवसर पर सबसे भावुक पल तब आया, जब बेटे की उपलब्धि देखकर माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। वर्षों के संघर्ष और बेटे की मेहनत को याद करते हुए दोनों ने गर्व व्यक्त किया। ग्रामीणों ने भी इस अवसर को गांव के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बताया।

स्पष्ट लक्ष्य और सच्ची मेहनत : रामकिशोर कावरे-वहीं गांव के वरिष्ठजनों सहित भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे ने कहा कि राजा बाहेश्वर ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो आर्थिक अभाव भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। उनकी सफलता ग्राम बघोली ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि राजा देश सेवा के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए मेरे गृह गांव, जिले प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

आत्मविश्वास के बल पर सपनें साकार : पवन बाहेश्वर-कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने राजा बाहेश्वर का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। बच्चों और युवाओं में भी उनकी सफलता को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। बेला में परिवार के सदस्य पवन बाहेश्वर ने भावुक होकर कहा, राजा बाहेश्वर की यह उपलब्धि इस बात का उदाहरण है कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी युवा अपने सपनों को साकार कर सकता है। ग्राम बघोली के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता युवाओं, आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

पुण्य स्मृति में रोपे पौधे, हरित श्रद्धांजलि का संदेश दे रहा श्रमदान दल

गंज बासौदा। किसी प्रियजन की स्मृतियों को केवल तस्वीरों या पुष्पांजलि तक सीमित रखने के बजाय उन्हें हरियाली के रूप में जीवंत बनाने की प्रेरणा अब गंज बासौदा से मिल रही है। श्रमदान दल ने अपने पौधारोपण अभियान 5.0 की शुरुआत रेलवे स्टेशन परिसर में तीन पौधों के रोपण के साथ करते हुए समाज को 'हरित श्रद्धांजलि' का संदेश दिया।

अभियान के तहत इस वर्ष 'जन-जन विशेष पौधारोपण कार्यक्रम' संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से जन्मदिन, विवाह वर्षगाँठ, पुण्यतिथि एवं अन्य विशेष अवसरों को पौधारोपण से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

अभियान के प्रथम चरण में स्वर्गीय श्रीमती शिवानी, पत्नी श्री शिवम सेन की पुण्य स्मृति में उनके पति शिवम सेन के सहयोग से कटहल का पौधा लगाया गया। वहीं भारतीय रेल के दिवंगत श्री दोजेलाल अहिरवार (चाबी मेन) की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र मुकेश अहिरवार के सहयोग से जामुन का पौधा रोपित किया गया। इसके साथ ही एक औषधीय पौधा भी रेलवे स्टेशन परिसर में लगाया गया। इस अवसर पर उपस्थित संकेत एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए उन्हें केवल रोपित ही नहीं, बल्कि वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने का वचन दिया।

श्रमदान दल ने बताया कि अभियान पूरी तरह जनसहयोग आधारित होगा। प्रत्येक पौधे के लिए ?1000 की सहयोग राशि ट्री गार्ड की व्यवस्था हेतु प्राप्त की जाएगी, जबकि पौधा उपलब्ध कराना, उपयुक्त विधि से रोपण, नाम-पट्टिका लगाना तथा प्रारंभिक संरक्षण की संपूर्ण जिम्मेदारी श्रमदान दल निभाएगा। उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने की शत-प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

साइबर फ्राड के मसले में इन्दिरापुरम थाना पुलिस टीम की बड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत जे. रविन्द्र गौड़ पुलिस आयुक्त गाजियाबाद के निर्देश पर साइबर अपराध के पोर्टल द्वारा चिह्नित हॉट स्पॉट पर कार्यवाही के दौरान पोर्टल से प्राप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराध में लिप्त 6 अभियुक्तों को थाना इन्दिरापुरम के शक्ति खण्ड क्षेत्र के म0नं0 49 से 13 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया गया। इन अभियुक्तों के पास से बरामद दस्तावेज से उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान राज्य की कुल 6 घटनाओं का खुलासा हुआ। इनके पास से घटना में प्रयुक्त 10 मोबाइल फोन तथा 20,010/- रुपये नगद बरामद हुए हैं।

एसीपी इन्दिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि अभियुक्त गण ने पूछताछ में बताया कि वो लोग सिद्धार्थ बिहार निवासी से फ्लिपकार्ट कंपनी से शापिंग करने वाले ग्राहकों का डाटा प्राप्त कर लोगों को काल कर उनकी शॉपिंग का पेमेंट न होने की बात कहकर दोबारा उनका पेमेंट कराने के नाम पर धोखाधड़ी करते हैं। इन अभियुक्तों द्वारा जोधपुर, राजस्थान निवासी श्याम लाल भाटी निवासी के साथ पार्सल के नाम पर, साइबराबाद, तेलंगाना निवासी गोवर्धन रेड्डी के साथ एडवर्टाइजमेंट के नाम पर, झांसी उत्तर प्रदेश निवासी रिध्दि आहूजा के साथ, मोरबी गुजरात निवासी खुशबू अग्रवाल के साथ, रोहिणी दिल्ली निवासी शालिनी सन्तोष के साथ, मलकाजगिरी तेलंगाना निवासी जी स्वामी प्रसाद के साथ, गाँधी नगर गुजरात निवासी मयूध्वज सिंह शोढ़ा के साथ ऑनलाइन फ्लिपकार्ट शॉपिंग के नाम पर साइबर फ्रॉड की घटना को अंजाम दिया गया है।

इनमें से गच्ची बावली, साइबराबाद, तेलंगाना निवासी गोवर्धन रेड्डी के साथ एडवर्टाइजमेंट के नाम पर हुई साइबर फ्रॉड की शिकायत के सम्बन्ध में थाना साइबराबाद तेलंगाना में अभियोग दर्ज है।

अभियुक्त गण द्वारा छोटी-छोटी विभिन्न घटनाओं में कुल करीब 2.5 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इनसे प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर अन्य साइबर अपराध की घटनाओं का पता लगाया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त गण राजू कमार स्थायी पताः ग्राम जगीराह, पोस्ट पश्चिमी चम्पारण, बिहार, आदित्य उर्फ प्रकाश यादव स्थायी पताः ग्राम खलीलाबाद, कटका चौराहा संतकबीर नगर, विराट चौधरी स्थायी पताः ग्राम - वड्डा, पोस्ट स्याना जिला बुलन्दशहर, आशीष स्थायी पताः ग्राम - अगवानपुर, थाना- परीक्षितगढ़, जिला मेरठ, पंकज शर्मा स्थायी पताः ग्राम - कुरैम, पोस्ट - जाफर, ककोड़ के पास, गौतमबुद्ध नगर व खुशी माता वाली गली, जौहरीपुर, करवल नगर रोड, दिल्ली हैं। वहीं वांछित अभियुक्त गण में काजल स्थायी पताः ग्राम खलीलाबाद, कटका चौराहा संतकबीर नगर, सिद्धार्थ नि0 अज्ञात हैं।

थाना प्रभारी अजय कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध उपरोक्त बरामदगी के सम्बन्ध में थाना इन्दिरापुरम पर 01 अभियोग पंजीकृत है तथा उपरोक्त अभियुक्तगण से प्राप्त बरामद मोबाइल फोन/आईएमईआई न0 पर अलग-अलग राज्यों से साइबर फ्रॉड से सम्बंधित कई ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हैं। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। इन अभियुक्तों को गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम थाना इन्दिरापुरम पुलिस टीम है।

मारवाड़ी ब्राह्मण समाज कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा कार सेवा कर मांगलिक भवन परिसर की साफ-सफाई

सेंधवा, मारवाड़ी ब्राह्मण समाज, सेंधवा के कार्यकारिणी सदस्यों ने समाज के मांगलिक भवन परिसर में सामूहिक कार सेवा करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान परिसर में उगी खरपतवार, गाजर घास एवं झाड़ियों को हटाकर पूरे परिसर की साफ-सफाई की गई, जिससे भवन परिसर अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित दिखाई देने लगा।

समाज अध्यक्ष जयंत शर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक सदस्य का दायित्व है कि वह समाज की संपत्ति को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने में अपना योगदान दें। समय-समय पर इस प्रकार के सेवा कार्य आगे भी निरंतर किए जाएंगे।

इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष जयंत शर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, सचिव राजेश शर्मा, सह सचिव भगवतीप्रसाद शर्मा सहित कार्यकारिणी सदस्य घनश्याम शर्मा, अनिल शर्मा, सर्वेश्वर व्यास, लखिया शर्मा, गोपाल शर्मा, अमर शर्मा एवं पवन शर्मा उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने श्रमदान कर सेवा भावना का परिचय दिया तथा समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया

यात्रा वृत्तान्त

संयोग या माँ का बुलावा

▸ नरेंद्र सिंह

इसे संयोग कहें या माँ का बुलावा, यह समझ पाना कठिन है। चि. विकास राठौर की बारात गया जी से रांची ट्रेन से मैं गया और वापसी का टिकट भी जनशताब्दी से था। लेकिन लौटते समय अचानक विचार बदल गया कि अब कार से ही गया जी लौटना है। भाई सुधीर से बात हुई कि उन्हीं की कार से वापस चलेंगे।

चलने के समय दो गाड़ियाँ उपलब्ध थीं। ठीक बैठने के वक्त मेरा विचार फिर बदल गया और मैंने भाई सुधीर के साथ न जाकर दूसरी गाड़ी से जाने का निर्णय लिया। कारण यह था कि सुधीर की गाड़ी में उनकी पत्नी करुणा जी भी थीं और भावज के रहने से पूरे रास्ते में बोलचाल पर थोड़ा संयम रखना पड़ता। कुजू में एक और गाड़ी साथ हो गई। वहाँ छोटू विश्वजीत सुधीर की गाड़ी से उतरकर ई. मुकेश के साथ बैठ गया। ऐसा लगा मानो विश्वजीत का भी कोई अलग बुलावा था। सुधीर की गाड़ी तो आगे निकल गई, पर पीछे ई. मुकेश की गाड़ी चल रही थी। उसी से सूचना मिली कि बरही में जाम है, अतः इटखोरी की ओर से चलना उचित होगा।

दोनों गाड़ियाँ इटखोरी मार्ग की ओर मुड़ गईं। रास्ते में एक स्थान पर गाड़ी रोकी गई और बताया गया कि यहीं माँ भद्रकाली का मंदिर है। यह सुनकर मुझे अत्यंत आश्चर्य हुआ। ट्रेन की यात्रा रद्द होना, ऐन समय पर सुधीर की गाड़ी में न बैठना, दूसरी गाड़ी से चलना और फिर बरही के जाम के कारण इटखोरी मार्ग से आना—क्या यह सब माँ भद्रकाली का बुलावा नहीं था?

बहुत दिनों से मन में इच्छा थी कि माँ भद्रकाली के दर्शन करने जाऊँ, लेकिन अवसर नहीं मिल पा रहा था। अचानक बिना योजना के माँ के दरबार में उपस्थित होकर मन अत्यंत प्रसन्न और धन्य हो गया। लगा जैसे मन की मुराद पूरी हो गई हो। हम सभी माँ के दरबार की ओर चल पड़े। मेरे साथ भाई उपेंद्र सिंह, चार भतीजे–विश्वजीत, ई. मुकेश, विक्रम, मिलन तथा मुकेश के दो अतिथि भी थे। माँ भद्रकाली मंदिर का परिसर अत्यंत विशाल और सुंदर है। यह महाने नदी के किनारे स्थित है। परिसर में माँ भद्रकाली के साथ भगवान शिव और पंचमुखी हनुमान जी के भी भव्य मंदिर हैं। सभी देवी-देवताओं का श्रद्धापूर्वक दर्शन किया।

वहाँ एक अन्य मंदिर भी है, जहाँ पिछले 24 वर्षों से निरंतर अखंड कीर्तन-पाठ चल रहा है। वहाँ कुछ समय बैठकर कीर्तन में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। पूरा परिसर शांत, सुरम्य और अत्यंत रमणीक है। महाने नदी और आसपास के जंगल का प्राकृतिक दृश्य मन को मोह लेने वाला था। धन्य हैं माँ, जो अपने भक्त को राह चलते ही अपने दरबार में बुला लेती हैं। माँ के चरणों में पहुँचकर स्वयं को अत्यंत भाग्यशाली और धन्य अनुभव कर रहा हूँ।

आज का युवा और बढ़ता तनाव: सपनों के बोझ तले दबती पीढ़ी

▸ प्रियंका द्विवेदी
मंझनपुर कौशाम्बी

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के कंधों पर टिका होता है। यही युवा नए विचारों को जन्म देते हैं, विज्ञान को गति देते हैं, समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं और देश की प्रगति के वाहक बनते हैं। किंतु विडंबना यह है कि आज वही युवा, जो ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है, तनाव, चिंता और मानसिक दबाव के बोझ तले दबता जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है।

आज का समय अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा का युग है। विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक, प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर रोजगार तक, हर कदम पर स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ लगी है। सफलता की परिभाषा इतनी संकीर्ण हो गई है कि अंक, वेतन और पद ही व्यक्ति के मूल्यांकन का आधार बनते जा रहे हैं। ऐसे माहौल में अनेक युवा अपनी क्षमता से अधिक दबाव महसूस करते हैं।

तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन सोशल मीडिया ने तुलना की एक नई संस्कृति भी पैदा की है। मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देने वाली दूसरों की सफलताओं, ऐश्वर्य और लोकप्रियता को देखकर अनेक युवा अपने जीवन को कमतर समझने लगते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया अक्सर जीवन का केवल चमकदार पक्ष दिखाता है, पूरा सच नहीं। यही तुलना धीरे-धीरे तनाव, असंतोष और आत्मविश्वास की कमी का कारण बन सकती है।

इसके साथ ही बेरोज़गारी, आर्थिक असुरक्षा, बदलती जीवनशैली, पारिवारिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितता भी युवाओं के मानसिक दबाव को बढ़ाती हैं। कई बार समाज उनसे केवल उपलब्धियों की अपेक्षा करता है, जबकि उनके संघर्षों और भावनात्मक आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

इस समस्या का समाधान केवल युवाओं को सलाह देने से नहीं होगा। परिवारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ सफलता से अधिक प्रयास का सम्मान हो। शिक्षण संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए और विद्यार्थियों को परामर्श उपलब्ध कराना चाहिए। सरकार और समाज को रोजगार, कौशल विकास तथा सुरक्षित अवसरों का विस्तार करना चाहिए। वहीं युवाओं को भी संतुलित दिनचर्या, नियमित व्यायाम, पर्याप्त विश्राम, सकारात्मक सोच और संवाद की आदत विकसित करनी चाहिए।

तनाव जीवन का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन उसे जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए। यदि हम अपने युवाओं को केवल सफल ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी और संवेदनशील नागरिक बनाना चाहते हैं, तो हमें आज ही इस विषय को गंभीरता से लेना होगा। एक स्वस्थ युवा ही एक सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव रख सकता है।

विदूषी साध्वीश्री हिरण्यगुणाश्री मसा का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश 15 जुलाई को

बाड़मेर नगर प्रवेश को लेकर तैयारियां जोरों पर, चातुर्मास समिति की बैठक हुई आयोजित

बाड़मेर राजस्थान ।बाड़मेर शहर में जैन धर्म में अचलगच्छ संघ में परम पूज्य अचलगच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री कलाप्रभसागर सूरीश्वरजी महाराज साहब की आज्ञानुवर्ती परम पूज्य विदूषी साध्वीश्री हिरण्यगुणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-9 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश दिनांक 15 जुलाई 2026 बुधवार को प्रात: ठीक 8.00 बजे महावीर चैक कल्याणपुरा पार्श्वनाथ जिनालय से गाजे बाजे के साथ हर्षोल्लास से होगा।

प्रवेश तैयारियों को लेकर चातुर्मास समिति की बैठक आयोजित हुई। अचलगच्छ चातुर्मास समिति अध्यक्ष अश्वनी बोहरा ने बताया कि इस वर्ष बाड़मेर अचलगच्छ जैन श्रीसंघ में विदूषी साध्वीश्री हिरण्यगुणाश्रीजी महाराज साहब आदि ठाणा-9 का चातुर्मास होने जा रहे है। जिनका बाड़मेर नगर में मंगल प्रवेश 15 जुलाई को प्रातः 8.00 बजे महावीर चैक कल्याणपुरा से होगा। जिस क्रम में उनके स्वागत-अभिनन्दन में वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही है। वहीं 15 जुलाई को बड़े स्तर पर आयंबिल तप की व्यवस्था की गई है, इच्छुक जैन बन्धु 14 जुलाई तक अपना नाम साधना भवन में लिखवा दें।

प्रवेश शोभायात्रा संयोजक मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि साध्वीश्री हिरण्यगुणाश्री मसा. आदि ठाणा-9 का बाड़मेर नगर प्रवेश का स्वागत सौमेया पार्श्वनाथ जिनालय कल्याणपुरा से प्रारम्भ होकर माणक अस्पताल, श्री शंकरलाल गोली मार्ग, छोटी ढ़ाणी, प्रतापजी की प्रोल, दरियागंज, जैन न्याति नोहरे से होते हुए साधना भवन पहुंचेगा जहां धर्मसभा का आयोजन होगा। महिला मंडल कार्यकर्ता एवं माताएं-बहनें मंगल कलश लेकर पधारे। साध्वी वृन्द के स्वागत-सौमेये में आप सभी जैन बंधु माताएं-बहनें सादर आमंत्रित है।

सीमा रंगा इन्द्रा

जीन्द के हरियाणवी गज़लकार मंगत राम शास्त्री जी को भी भगत राम भगत स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

साँझा साहित्य मंच द्वारा आयोजित पहला करनाल साहित्य उत्सव कल यानि रविवार को रेलवे रोड़ स्थित राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति स्कूल में बनाया गया। जिसकी अध्यक्षता नवचेतना मंच के अध्यक्ष एस पी चौहान ने की, मुख्य अतिथि हिंदी अकादमी के पूर्व उपसचिव व आकाशवाणी दिल्ली के उद्घोषक ऋषि कुमार शर्मा व विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रोहतास वर्मा रहे। उपरोक्त जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष कृष्ण कुमार निर्माण और महासचिव सतविंदर राणा बाल ने बताया कि सभी कवि/साहित्यकार मनोहर सुगम द्वार से प्रवेश करते हुए डॉक्टर एस के शर्मा द्वार और जय भारद्वाज तरावड़ी द्वार से होते हुए मुख्य सभागार मनोज गौतम सभागार में आए। इस कार्यक्रम में जहाँ 37 साहित्यकारों को सम्मानित किया गया, वहीं युवा कवि सम्मेलन का भी आयोजन और पुस्तकों के विमोचन के साथ-साथ पुस्तक मेला भी आयोजित किया गगा। साँझा साहित्य मंच द्वारा आयोजित पहला करनाल साहित्य उत्सव कल यानि रविवार को रेलवे रोड़ स्थित राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति स्कूल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता नवचेतना मंच के अध्यक्ष एस पी चौहान ने की।